एक नजर में

'युवा संगम' रोजगार मेले का आयोजन 25 फरवरी को गरोठ में

मंदसौर। जिला प्रशासन मंदसौर के तत्वावधान में 25 फरवरी, बुधवार को गरोठ स्थित शासकीय एसएन उदिया महाविद्यालय परिसर में एक विशाल रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले 'युवा संगम' का आयोजन किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के साथ-साथ रोजगार एवं तकनीकी शिक्षा कौशल विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित यह मेला प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस मेले में निजी क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ जैसे यूएनओ मिंडा लिमिटेड, मारुति सुजुकी, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिकल्स, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा और एचडीएफसी फाइनेंस सहित अन्य संस्थाएँ साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहेंगी। मेले में मशीन ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सेल्स एवं मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, सुरक्षा गार्ड, इंश्योरेंस एडवाइजर और डाटा एंट्री ऑपरेटर जैसे विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए चयनित उम्मीदवारों को 8,000 रुपये से लेकर 23,000 रुपये तक का वेतन दिया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता के तौर पर 8वीं, 10वीं, 12वीं पास से लेकर आईटीआई, स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमाधारी युवा इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं, जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक आवेदकों को अपने साथ समग्र आईडी, दो पासपोर्ट साइज फोटो, बायोडाटा, रोजगार पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड और शैक्षणिक अंकसूचियों की फोटोकॉपी लाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में सरकारी स्वरोजगार एवं ऋण योजनाओं की जानकारी हेतु विशेष स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

आईटीसी चौपाल सागर मंदसौर मे तीन दिवसीय चौपाल महोत्सव का पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन

नयाखेडा/नाहरगढ। आईटीसी चौपाल सागर नयाखेडा पर तीन दिवसीय 20,21,22 फरवरी चौपाल महोत्सव का आयोजन हुआ जिसका शुभारंभ शुक्रवार को किया गया तथा रविवार को समापन हुआ जिस पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि लोक सभा सांसद सुधीर गुप्ता व एरिया मेनेजर पवन धाडसे, रिटेल हेड निखिल शर्मा, चेतन पाटीदार, अमित कुमार भारद्वाज, अमित कांत शुक्ल की गरिमामय उपस्थिती मे हुआ। चौपाल महोत्सव के आयोजन मे सभी क्षेत्र के उत्कृष्ट व सराहनीय योगदान पर सम्मान हुआ। चौपाल मार्श का एप है जिस पर सभी जानकारी उपलब्ध है। चौपाल महोत्सव मे जानकारी और मनोरंजन का महापर्व है जिसमे युवाओ के लिए करियर परामर्श, सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिलाओ के लिए आत्मरक्षा सत्र, किसान कृषि विशेषज्ञ संवाद का आयोजन रखा गया। आयोजन का संचालन अमित कांत शुक्ल ने किया तथा सभी का आभार माना।

स्मार्टफोन पोवा कर्व 2 बिक्री के लिए उपलब्ध

इंदौर. पोवा कर्व 2 आधिकारिक तौर पर 20 फरवरी से बिक्री के लिए उपलब्ध है, जो वास्तविक दुनिया के संघर्ष के लिए डिज़ाइन किए गए स्लिम, कवर्ड डिज़ाइन में अत्यधिक सहनशक्ति लेकर आया है. तकनीक और डिज़ाइन के इस शक्तिशाली संयोजन को पूरे भारत में उपभोक्ताओं तक पहुँचाते हुए, पोवा कर्व 2 एक आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है. यह स्मार्टफोन अभी फ्लिपकार्ट और देश भर के बड़े रिटेल स्टोर पर खरीदने के लिए उपलब्ध है. भारतीय उपयोगकर्ताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया एला एआई 2.0, स्मार्ट अनुभव को और बेहतर बनाता है. हिंदी, बंगाली, तमिल, गुजराती और मराठी में बहुभाषी समर्थन के साथ, एला एआई दैनिक बातचीत को अधिक सहज बनाता है. यह डिवाइस अपने सेगमेंट में भारत का पहला ऑल-सिनारियो एआई नॉइज़रिडक्शन भी पेश करता है, जो कॉल, वीडियो मीटिंग और गेमिंग चैट के दौरान स्पष्ट आवाज़ की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है. पोवा कर्व 2 के मुख्य भाग में सेगमेंट-लीडिंग8000 एमएएच की बैटरी है, जिसे बहुत ही शानदार ढंग से 7.42एमएम की स्लिमप्रोफ़ाइल में पैक किया गया है और इसका वज़न सिर्फ 195 जी है. स्मार्टफोन में 144एचजेड कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले भी है जिसमें आई कम्फर्ट टेक्नोलॉजी है, जो लंबे समय तक उपयोग के दौरान आंखों के तनाव को कम करते हुए सहज विज़ुअल प्रदान करता है.

गांधी सागर अभ्यारण्य 1013 गिद्धों के साथ बना सुरक्षित ठिकाना

▶ **गांधी सागर वन्यप्राणी अभ्यारण में गिद्धों की वद्धि**

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गाँधीसागर वन्यप्राणी अभयारण्य एक बार फिर गिद्धों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। 'प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना 2025-26' के तहत आज संपन्न हुई गणना का निरीक्षण मुख्य वन संरक्षक (ष्टष्टस्न) उज्जैन वृत्त, आलोक पाठक एवं वनमंडलाधिकारी मंदसौर, श्री संजय रायखेरे द्वारा किया गया। गणना के परिणामों में कुल 1013 गिद्ध पाए गए हैं। गाँधीसागर अभयारण्य केवल स्थानीय गिद्धों का ही नहीं, बल्कि विदेशी प्रजातियों का भी पसंदीदा ठिकाना है।

कहाँ से आते हैं: गणना में पाए गए हिमालयन ग्रिफन, यूरेशियन ग्रिफन और सिनेरियस जैसे गिद्ध लंबी दूरी तय कर यहाँ पहुँचते हैं। ये मुख्य रूप से तिब्बत, मध्य एशिया, और हिमालय की ऊँचाइयों से शीतकाल के दौरान प्रवास करते हैं।

प्रवास का समय: ये प्रवासी गिद्ध आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर के महीने में गाँधीसागर पहुँचते हैं और गर्मी शुरू होने से पहले यानी मार्च-अप्रैल तक यहाँ रुकते हैं। **स्थानीय निवासी (4 प्रजातियाँ):** ये गिद्ध वर्ष भर अभयारण्य में रहते हैं और यहीं प्रजनन करते हैं: **भारतीय गिद्ध:** चंबल की ऊँची चट्टानों पर घोंसले बनाने वाली मुख्य प्रजाति।

सफेद पीठ वाला गिद्ध: पेड़ों पर बसेरा करने वाले ये गिद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राज गिद्ध: अत्यंत दुर्लभ और विशिष्ट लाल सिर वाली प्रजाति।

मिस्र का गिद्ध: आकार में छोटे और सफेद रंग के स्थानीय गिद्ध।

ये प्रजातियाँ शीतकाल (अक्टूबर-नवंबर से मार्च-अप्रैल) के दौरान तिब्बत, मध्य एशिया और हिमालय की ऊँचाइयों से प्रवास कर यहाँ पहुँचती हैं:

हिमालयन ग्रिफन: हिमालय के ठंडे क्षेत्रों से आने वाले विशालकाय गिद्ध।

यूरेशियन ग्रिफन: लंबी दूरी तय कर आने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रवासी।

सिनेरियस गिद्ध: दुनिया के सबसे भारी और बड़े गिद्धों में शुमार।

गाँधीसागर ही क्यों है 'गिद्धों का स्वर्ग'-निरीक्षण के दौरान डीएफओ श्री संजय रायखेरे ने गाँधीसागर की अनुकूलता के प्रमुख कारण बताए:

सुरक्षित चट्टानें: चंबल नदी के किनारे स्थित ऊँची और दुर्गम चट्टानें गिद्धों को सुरक्षित घोंसले बनाने और प्रजनन के लिए आदर्श स्थान प्रदान करती हैं।

प्रचुर भोजन और जल: अभयारण्य में वन्यजीवों की अच्छी संख्या और आस-पास के क्षेत्रों में पशुधन की उपलब्धता के कारण इन्हें पर्याप्त भोजन मिलता है। चंबल का पानी इनके लिए बारहमासी जल स्रोत है।

मानवीय हस्तक्षेप मुक्त: अभयारण्य का शांत वातावरण और सुरक्षित कॉरिडोर इनके फलने-फूलने में मदद करता है।

संरक्षण के प्रयास-सीसीएफ श्री आलोक पाठक ने बताया कि 'गाँधीसागर में 115 सक्रिय घोंसलों का मिलना इस बात का प्रमाण है कि यहाँ का ईकोसिस्टम बेहद मजबूत है। हम इन 'प्रकृति के सफाईकर्मियों' के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहे हैं।' इस गणना कार्य में अधीक्षक अमित राठौर सहित वन विभाग के अमले और पक्षी प्रेमियों का विशेष योगदान रहा।

सोशल मीडिया की ताकत से खुला पशुपतिनाथ गर्भगृह

▶ **टीना विनोद मंडलोई की पहल लाई रंग, आम श्रद्धालुओं के लिए फिर खुले द्वार**

मंदसौर। मंदसौर के प्रसिद्ध श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के गर्भगृह में आम श्रद्धालुओं के प्रवेश पर लगी रोक अब हटा दी गई है। यह बदलाव सोशल मीडिया पर उठी आवाज़ के बाद संभव हो सका, जिसकी शुरुआत स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता टीना विनोद मंडलोई ने की थी।

हाल ही में टीना विनोद मंडलोई ने अपनी फेसबुक आईडी के माध्यम से गर्भगृह में आमजन के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि भगवान के दरबार में भेदभाव क्यों उनकी इस पोस्ट को बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला और देखते ही देखते यह मुद्दा जनचर्चा का विषय बन गया।

सोशल मीडिया पर बढ़ते समर्थन और जनभावना को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था में बदलाव करते हुए गर्भगृह को सभी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया।

टीना विनोद मंडलोई ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की जीत नहीं, बल्कि सामूहिक आवाज़ की ताकत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष सुविधा केवल बुजुर्गों और असमर्थ श्रद्धालुओं को दी जानी चाहिए, जबकि अन्य सभी श्रद्धालुओं को समान अवसर मिलना चाहिए।

इस निर्णय को आस्था और समानता की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उठाई गई यह पहल जनहित में महत्वपूर्ण साबित हुई है।

अब यह मांग भी उठ रही है कि प्रदेश के अन्य बड़े मंदिरों में भी ऐसी समान दर्शन व्यवस्था लागू की जाए, ताकि हर श्रद्धालु बिना किसी भेदभाव के भगवान के दर्शन कर सके।

महावीर इंटरनेशनल ने सिविल अस्पताल के शिशु वार्ड में भेंट की बेंच

मंदसौर। मानवता की सेवा में सदैव तत्पर रहने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल, मंदसौर द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत एक सराहनीय पहल की गई है। अध्यक्ष भागचंद खण्डेलवाल ने बताया संस्था की ओर से स्थानीय सिविल अस्पताल के चाइल्ड केयर वार्ड (शिशु उपचार कक्ष) में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा हेतु बेंच भेंट की गई। यह कार्य कार्यकारिणी सदस्य अभय पोखरना के सहयोग से उनके पिताजी ज्ञानचंद पोखरना की स्मृति में भेंट की गई है।

स्वागत उद्बोधन प्रदान करते हुए गवर्निंग काउंसिल मेंबर राकेश जैन ने बताया अस्पताल के शिशु वार्ड में अक्सर मरीजों के परिजनों को बैठने के लिए पर्याप्त स्थान न होने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए संस्था ने यह निर्णय लिया।

शिशु वार्ड प्रभारी डॉक्टर पामेचा ने संस्था का आभार मानते हुए महावीर इंटरनेशनल के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी सहभागिता से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में संबल मिलता है। इस अवसर पर रीजनल सेक्रेटरी सीए आयुष जैन, पूर्व अध्यक्ष राकेश चौधरी, संस्था के पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित थे। आभार सचिव भावेश बक्षी ने माना।

एक नजर ▶ **दिवंगत शिक्षक के परिवार को**

शिक्षक साथियों ने किया 34 लाख का सहयोग

मन्दसौर। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष गोविन्दराम गेहलोत (माध्यमिक शिक्षक शा. हाईस्कूल आकोदडा, जिला-मन्दसौर) ने बताया कि, दमोह जिले के शिक्षक स्व. किशुनलाल लाड़िया की असमय मृत्यु उपरांत उनके पुत्र-पत्नी को संघ के रजिस्टर्ड शिक्षक-शिक्षिकाओं ने 34 लाख रुपये की राशि 15 दिन में ऑनलाइन के माध्यम से उनके खातों में जमा की गई।

पीयूएमएस मध्यप्रदेश स्तर पर नवनिर्मित शिक्षक संघ का उद्देश्य असमय दिवंगत होने वाले शिक्षक-शिक्षिका साथी को प्रदेश के पंजीकृत सभी शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन सीधे नॉमिनी के खाते में संगठन के नियम अनुसार सहयोग प्रदान किया गया आप सभी ने स्वयं देखा और समझा है कि पीएमयूएमएस संगठन ने मध्यप्रदेश के पटल पर एक कल्याणकारी योजना को सफलतापूर्वक स्थापित कर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो कोई भी योजना लम्बे समय तक पारदर्शिता के साथ संचालित की जा सकती है।

▶ 3 दिवंगत शिक्षक साथियों के परिवारों को सहयोग

आज हम सबके सामूहिक प्रयास से 3 दिवंगत शिक्षक साथियों के परिवारों को सम्मानजनक सहयोग लगभग 1 करोड़ 12 लाख प्रदान किया जा चुका है। यह केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि संगठन की संवेदनशीलता, एकता और विश्वास की मिसाल है।

साथियो, विनोद कुमार राठौर, संभागीय संगठन मंत्री बालचन्द राठौर, संभागीय सचिव फूलचंद गुर्जर, जिला प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण पाटीदार, जिला महासचिव दिनेश कुमार राठौर, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा श्रीमती रेणुका आचार्य, जिला प्रभारी श्रीमती लक्ष्मी पाटीदार, आईटी सेल प्रभारी राधेश्याम रांघोठा उपाध्यक्ष रामप्रसाद कुमावत, अखिलेश चन्द्रावत, हरीश खिचावत, सुरेन्द्र कुमार पाटीदार, लखन पुरोहित, ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ठाकुर, अरुण पाटीदार, पंकज मण्डलोई, राजाराम जोशी, मुकेश कुमार राठौर व जिले एवं ब्लॉक के सभी पदाधिकारियों का सराहनीय सहयोग रहा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी आनन्द आंजना द्वारा प्रदान की गई।

नीमच

एक नजर में

जिला कांग्रेस ने श्रद्धापूर्वक याद किए मौलाना अबुल कलाम आजाद

नीमच। जिला कांग्रेस कार्यालय में भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं देश के प्रथम शिक्षा मंत्री स्वर्गीय मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती सहित कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती ने अपने संबोधन में कहा कि मौलाना आजाद ने स्वतंत्र भारत की शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव रखी। आज जब शिक्षा को व्यवसाय का रूप दिया जा रहा है, तब उनके विचार और शिक्षा नीति हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे मौलाना आजाद के आदर्शों पर चलते हुए शिक्षा, एकता और सद्भाव का संदेश समाज में फैलाएं। कार्यक्रम में ओम दीवान, बृजेश मित्तल, मनोहर अंब, हारून रशीद, जगदीश पुनार, इलियास कुरेशी, सोनू यादव, संजय पंवार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सुभाष वाटिका एवं विश्व संकल्प पर्यावरण वाटिका में पोधो की देखभाल कर पिलाया पोधों को पानी

नीमच। प्राणी जगत को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में जीवन जीने के लिए प्रकृति ने हमें शुद्ध वायु आक्सीजन एवं स्वस्थ वातावरण दिया बदले में हम स्वार्थ की खातिर प्रकृति को संवारने के बजाय वातावरण को प्रदुषित कर रहे हैं जो प्राणी जगत के लिए घातक है, आमजन एवं शहरवासियों को शुद्ध वायु आक्सीजन एवं स्वस्थ वातावरण मिले इस उद्देश्य को लेकर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच के सदस्य गण विगत 11 वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाने में नि स्वार्थ भावना से जुटे हुए हैं अभियान के तहत संस्था सदस्यों ने रविवार दिनांक 22 फरवरी को प्रातः 7 से 8 बजे तक फुव्वारा चोक स्थित सुभाष वाटिका परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत परिसर की साफ-सफाई कर गंदा कचरा एकत्रित कर ढेर लगाए इसके पश्चात हवाई अड्डा झांझरवाडा मार्ग स्थित विश्व संकल्प पर्यावरण वाटिका परिसर में रोपित 1401 पोधो कि सुरक्षा एवं देखभाल कर पोधो को पानी पिलाया।

रतनगढ़-गुंजालिया पुलिया निर्माण में 15 दिन में दरारें दिखीं

▶ **बाहर निकले सरिया, ग्रामीणों ने तकनीकी जांच और कार्रवाई की मांग**

नीमच। रतनगढ़ से गुंजालिया जाने वाले मार्ग पर बन रही पुलिया के निर्माण को अभी 15 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं, कि सड़कों पर दरारें और सरिया नजर आने लगी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि 'रिपेयरिंग' के नाम पर नया निर्माण किया जा रहा है, जिसमें घटिया सामग्री का उपयोग और तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है। पुलिया में कई जगह दरारें आ गई हैं और सरिया बाहर दिखाई देने लगा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिया पर पहले लोहे के सरियों का जाल बिछाकर सीमेंट कंक्रीट (सीसी) किया गया था। इसके बाद, दो अतिरिक्त पाइप डालने के लिए जेसीबी से खुदाई की गई। इस प्रक्रिया के कारण नए बने हिस्से में दरारें पड़ गईं और कई स्थानों पर सरिये बाहर निकल आए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पाइप डालने थे, तो यह कार्य पहले किया जाना चाहिए था।

पुलिया निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग का आरोप

पुलिया के ऊपर 30-45 सेंटीमीटर मोटाई का कंक्रीट डाला जा रहा है, लेकिन सीमेंट और रेत का अनुपात भी मानक के अनुसार नहीं होने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि लागत बचाने के लिए सरिया और सीमेंट की मात्रा कम रखी जा रही है, जिससे पुलिया की मजबूती प्रभावित हो रही है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि मौजूदा निर्माण गुणवत्ता के कारण यह पुलिया एक तेज बारिश भी नहीं झेल पाएगी। उनका यह भी कहना है कि पिछले चार-पांच महीनों से नगर परिषद की बैठक नहीं होने के कारण निर्माण कार्य की निगरानी कमजोर है, जिसका फायदा उठाकर गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पुलिया की मजबूती के लिए सरियों का जाल 15-20 सेंटीमीटर की दूरी पर और एंकरिंग बार के सहारे ऊंचाई पर बिछाया जाना चाहिए। हालांकि, यहां 40-45 सेंटीमीटर की दूरी पर पतले सरिये जमीन से सटाकर डाल दिए गए हैं। इससे कंक्रीट के भीतर सरिये की पकड़ कमजोर हो रही है।

विधायक अनिरुद्ध मारू ने 3.12 करोड़ की सड़क का किया भूमिपूजन

मनासा। विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर विकास की गति लगातार तेज होती नजर आ रही है। इसी क्रम में मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने रविवार को शिवपुरिया मंदिर से शिवपुरिया कुएं तक बनने वाली 2.20 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी।

करीब रू.312.08 लाख की लागत से बनने वाली यह सड़क लंबे समय से ग्रामीणों की प्रमुख मांग रही है। मार्ग के जर्जर हालात के कारण आवागमन में हो रही परेशानी अब दूर होगी और डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण के बाद ग्रामीणों को सुरक्षित, सुगम और धूलमुक्त सड़क सुविधा मिल सकेगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि सड़क निर्माण से न केवल आवागमन आसान होगा बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर होगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मारू ने कहा कि मनासा विधानसभा के प्रत्येक गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सड़क को क्षेत्र के विकास की नई जीवनरेखा बताते हुए कहा कि लगातार प्रयासों से ग्रामीण अंचलों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है और आने वाले समय में विकास कार्यों को और गति दी जाएगी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, जिला पदाधिकारियों, नगर परिषद अध्यक्ष, सरपंचों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार जताते हुए उत्साह और आतिशबाजी के साथ विकास कार्य का स्वागत किया।

एक नजर ▶ **जावद में किसान बोले- लागत भी नहीं निकल रही, व्यापारी जानबूझकर कम भाव दे रहे**

अच्छी क्वालिटी का लहसुन 8,500 से 9,000 रुपए प्रति क्विंटल

जावद। कृषि उपज मंडी में लहसुन के दामों में आई भारी गिरावट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। सही दाम न मिलने की वजह से किसान अब अपनी फसल बेचने के लिए दूसरी मंडियों का रुख कर रहे हैं।

व्यापारियों के अनुसार, इस समय अच्छी क्वालिटी का लहसुन 8,500 से 9,000 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रहा है, जबकि हल्की क्वालिटी के दाम 3,000 से 4,000 रुपए के बीच हैं। देसी लहसुन तो महज 1,500 से 3,000 रुपए में बिक रही है। पिछले साल यही लहसुन 13,000 से 15,000 रुपए तक बिकी थी। साल 2024 में तो भाव 62,000 रुपए के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गए थे, जिससे किसानों को मोटा मुनाफा हुआ था, लेकिन इस बार हालात इसके उलट हैं।

नीमच मंडी पहुंचे किसान मुन्ना लाल ने बताया कि 2 बीघा में लहसुन उगाने पर करीब 3 लाख रुपए का खर्च आया है, लेकिन मौजूदा भाव (5,000 से 9,000 रुपए) के हिसाब से लागत वसूलना भी मुश्किल लग रहा है। पिछले साल इसी खेत से उन्हें 9.30 लाख रुपए का फायदा हुआ था।

▶ मंडियों के बीच भाव का बड़ा अंतर

बावल गांव के किसान विशाल ने बताया कि नीमच मंडी में लहसुन 8,000 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रही है, जबकि जावद में अधिकतम भाव 6,500 रुपए ही मिल पा रहे हैं। इसी वजह से किसान जावद के बजाय नीमच या अन्य मंडियों की तरफ जा रहे हैं। जावद मंडी में लहसुन की 3,190 बोरियों की आवक रही। व्यापारियों की मानें तो न्यूनतम भाव 1,500 रुपए और उच्चतम 10,500 रुपए प्रति क्विंटल तक रहा। हालांकि, बाजार के जानकारों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में कीमतों में सुधार हो सकता है।

राजस्थान से आए किसान दिनेश ने भी जावद मंडी के व्यापारियों पर जानबूझकर कम भाव देने का आरोप लगाया है।